20/FI/CC/M-2023-37

पुस्तिका शृंखला

D

Serial No. 41184

उम्मीदवार का अनुक्रमांक

प्रश्न-पुस्तिका

मैथिली भाषा और साहित्य

समय : 2 घण्टे **पूर्णांक : 100**

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले नीचे लिखे अनुदेशों को ध्यान से पढ़ लें।

महत्त्वपूर्ण अनुदेश

1. इस प्रश्न-पुस्तिका में कुल **100** प्रश्न हैं।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. **सभी** प्रश्नों के उत्तर दें।
4. **परीक्षा आरम्भ होते ही आप अपनी प्रश्न-पुस्तिका की जाँच कर देख लें कि इसके ऊपर दायीं ओर प्रश्न-पुस्तिका की शृंखला मुद्रित है। कृपया जाँच लें कि पुस्तिका में रफ़ कार्य हेतु एक पृष्ठ (पृष्ठ संख्या 16) सहित पूरे 16 मुद्रित पृष्ठ हैं और कोई पृष्ठ या प्रश्न गायब या बिना छपा हुआ या फटा हुआ या दोबारा आया हुआ तो नहीं है। पुस्तिका में किसी प्रकार की त्रुटि पाने पर तत्काल इसके बदले इसी शृंखला की दूसरी सही पुस्तिका ले लें।**
5. इस पृष्ठ के ऊपर निर्धारित स्थान में अपना अनुक्रमांक अवश्य लिखें। प्रश्न-पुस्तिका पर और कुछ न लिखें।
6. प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको प्रश्न-पुस्तिका सहित उत्तर पत्रक दिया जायेगा। **अपने उत्तर पत्रक के पृष्ठ-2 पर निर्धारित स्थान में अपना नाम, अनुक्रमांक, प्रश्न-पुस्तिका शृंखला तथा अन्य विवरण अवश्य लिखें अन्यथा आपका उत्तर पत्रक जाँचा नहीं जायेगा।**
7. **उत्तर पत्रक के पृष्ठ-2 पर निर्धारित स्थान में अपने अनुक्रमांक तथा प्रश्न-पुस्तिका की शृंखला A, B, C या D जैसा इस प्रश्न-पुस्तिका के आवरण पृष्ठ के ऊपर दायीं ओर अंकित है, से सम्बन्धित कोष्ठक को काली/नीली स्याही के बॉल-पॉइन्ट पेन से अवश्य कूटबद्ध करें। उत्तर पत्रक पर प्रश्न-पुस्तिका शृंखला अंकित नहीं करने अथवा गलत शृंखला अंकित करने पर उत्तर पत्रक का सही मूल्यांकन नहीं होगा।**
8. इस प्रश्न-पुस्तिका में सभी प्रश्न और उनके उत्तर मैथिली में मुद्रित हैं। प्रत्येक प्रश्न के चार उत्तर—(A), (B), (C) और (D) क्रम पर दिये गये हैं। उनमें से आप सबसे सही **केवल एक** उत्तर को चुनें और अपने उत्तर पत्रक पर अंकित करें। यदि आपको ऐसा लगे कि किसी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर सही हैं, तो आप अपने उत्तर पत्रक में उस उत्तर को अंकित करें जो आपको सर्वोत्तम लगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए **केवल एक** ही उत्तर चुनना है। आपका कुल प्राप्तांक आपके द्वारा उत्तर पत्रक में अंकित सही उत्तरों पर निर्भर होगा।
9. उत्तर पत्रक में प्रत्येक प्रश्न संख्या के सामने **चार** वृत्त इस प्रकार बने हुए हैं—Ⓐ, Ⓑ, Ⓒ और Ⓓ। प्रश्नों के उत्तर देने के लिए आपको अपनी पसन्द के **केवल एक वृत्त को काली/नीली स्याही के बॉल-पॉइन्ट पेन** से चिह्नित करना है। प्रत्येक प्रश्न के लिए केवल एक उत्तर को चुनें और उसे अपने उत्तर पत्रक में चिह्नित करें। आप उत्तर पत्रक में यदि एक प्रश्न के लिए एक से अधिक वृत्त में निशान लगाते हैं, तो आपका उत्तर गलत माना जायेगा। **उत्तर पत्रक में उत्तर को चिह्नित करने के लिए केवल काली/नीली स्याही के बॉल-पॉइन्ट पेन का ही प्रयोग करें। किसी भी प्रकार का काट-कूट अथवा परिवर्तन मान्य नहीं है।**
10. प्रश्न-पुस्तिका से कोई पन्ना फाड़ना या अलग करना मना है। प्रश्न-पुस्तिका और उत्तर पत्रक को परीक्षा की अवधि में परीक्षा भवन से बाहर कदापि न ले जायें। **परीक्षा के समापन पर उत्तर पत्रक वीक्षक को अवश्य सौंप दें।** उसके बाद आपको अपनी प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जाने की अनुमति है।
11. ऊपर के अनुदेशों में से किसी एक का भी पालन नहीं करने पर आप पर आयोग के विवेकानुसार कार्रवाई की जा सकती है अथवा आपको दण्ड दिया जा सकता है।
12. अभ्यर्थी उत्तर पत्रक को अपनी उपस्थिति में Self Adhesive LDPE Bag में पूरी तरह से पैक/सील करवाने के उपरांत ही परीक्षाकक्ष को छोड़ें।

SEAL

www.bpscpathshala.com

1. 'देसिल बयना' प्रकाशित होइत अछि :

(A) इलाहाबादसँ

(B) हैदराबादसँ

(C) पटनासँ

(D) कोलकातासँ

2. मैथिली अकादमीसँ प्रकाशित 'संकलन'मे सम्पादक छथि :

(A) एक

(B) दू

(C) तीन

(D) चारि

3. 'शिखरिणी' पोथी प्रकाशित अछि :

(A) मैथिली अकादमीसँ

(B) भवानी प्रकाशनसँ

(C) साहित्य अकादेमीसँ

(D) चेतना समितिसँ

4. 'विद्यापति गीतावली'क सम्पादक छथि :

(A) शशिनाथ झा

(B) शिवनन्दन ठाकुर

(C) गोविन्द दास

(D) गोविन्द झा

5. प्रस्तुत संग्रहमे मिथिलाक परम्परानुसार गीतकेँ रागक्रममे विन्यस्त करब सामान्य लोकक हेतु, विशेषतः आजुक समयमे, अनुपयुक्त बुझि बंगालक वैष्णव लोकनि द्वारा प्रवर्तित विषयानुसारी क्रम राखल गेल अछि :

(A) गोविन्द दास भजनावली

(B) विद्यापति गीतावली

(C) विद्यापति पदावली

(D) विद्यापति गीतशती

6. "विदिता देवी विदिता हो अविरल केश सोहन्ती" गीतक शीर्षक अछि :

(A) गौरीसहित हर पुरथु आस

(B) पुन दरसन हो पुनिमति गंगे

(C) सहज सुमति वर दिअ हे गोसाउनि

(D) हेरइते हृदय हनए पंचवाने

www.bpscpathshala.com

7. '''कविपति विद्यापति मति माने जाग गीत जगचित चोराओल गोविन्द गौरी सरस रस गाने''—स्वीकार कएने छथि :

(A) कविलोचन

(B) गोविन्द झा

(C) गोविन्द दास

(D) उमापति उपाध्याय

8. ''श्रवण कीर्तन स्मरण वन्दन पाद-सेवन दास।
ध्यान पूजन आत्मनिवेदन गोविन्द दास
अभिलाष॥''

—मे भाव अछि :

(A) पंच भाव

(B) नवधा भाव

(C) शृंगार भजन भाव

(D) मधुर भाव

9. ''नवदूर्वादल श्यामल सुन्दर कञ्ज-नयन रनवीर।
बाम धनुर्धर दहिन निसित सर जलधि कोटि
गम्भीर॥''

—मे वन्दना अछि :

(A) रामक

(B) कृष्णक

(C) ब्रह्माक

(D) महादेवक

10. ''कंटक गाड़ि कुसुमसम पदतल मंजरि
चीरहि झाँपी।
गागरि बारि ढारि कए पिच्छर चलतहुँ
आँगुर चाँपि॥''

—मे वर्णन अछि :

(A) मिलनक लेल

(B) शृंगारक लेल

(C) अभिसारक लेल

(D) विरहक लेल

11. 'कृष्णजन्म'क रचना कएने छथि :

(A) उमापति

(B) मनबोध

(C) लोचन

(D) विद्यापति

12. 'कृष्णजन्म'क कथावस्तु लेल गेल अछि :

(A) श्रीमद्भागवतक दसम स्कन्धसँ

(B) हरिवंशपुराणसँ

(C) विष्णुपर्वसँ

(D) श्रीमद्भागवत दसम स्कन्ध ओ हरिवंशक विष्णुपर्वसँ

www.bpscpathshala.com

13. सुईलय बेधिअ गाँथिअ ताग. हाथ छुबिअ तओं हाथहि लाग—अछि :

(A) रात्रि वर्णन

(B) वर्षा रात्रि वर्णन

(C) घोर अन्धकारक वर्णन

(D) सुई-तागक वर्णन

14. लिखल जाय मिथिला इतिहास नहि हो तहिमे सिथिल प्रयास—लिखने छथि :

(A) जयकान्त मिश्र

(B) रमानाथ झा

(C) उपेन्द्र ठाकुर

(D) कवीश्वर चन्दा झा

15. ''जयजय राम नवल घनश्याम—सकल लोक लोचन अभिराम''—कहने छथि :

(A) गोविन्द दास

(B) कविवर लाल दास

(C) कवीश्वर चन्दा झा

(D) विश्वनाथ झा 'विषपायी'

16. ''हाँ रघुनाथ अनाथ जकाँ दशकण्ठ पुरी
हम आइल छी
सिंहक त्रास महावनमे हरिणीक समान
डेराइल छी''
—विलाप अछि :

(A) राधाक

(B) सीताक

(C) पार्वतीक

(D) लंकीनिक

17. तोहर मन दौड़ैत छहु कोठाक दिस—पैघ-पैघ धनीक दिश दरबार दिश—किनका महल गेल अछि?

(A) जमीन्दारकेँ

(B) गरीब-गुरबाकेँ

(C) कविकेँ

(D) चोरकेँ

18. आरसी प्रसाद सिंह मैथिलीमे कविता रचनाक प्रेरणा प्राप्त कएलनि :

(A) मधुप जीसँ

(B) भुवन जीसँ

(C) हरिमोहन झासँ

(D) उपेन्द्र नाथ झा व्याससँ

www.bpscpathshala.com

19. 'सूर्यमुखी'कें पुरस्कार प्राप्त भेल अछि :

(A) 1980 ई०मे

(B) 1981 ई०मे

(C) 1982 ई०मे

(D) 1984 ई०मे

20. आरसी प्रसाद सिंहक रचना अछि :

(A) माटिक दीप—पूजाक फूल

(B) पूजाक फूल—उत्सर्ग

(C) गौरी परिणय—माटिक दीप

(D) भारत भ्रमण—एकलव्य

21. 'कलि, मंत्री, क्रोध, लोभ, पिशुन, ईर्ष्या, आलस्य'—सभ पात्र छथि :

(A) सावित्री सत्यवानमे

(B) मुद्राराक्षसमे

(C) मृच्छकटिक नाटकमे

(D) मिथिला नाटकमे

22. एकर वैशिष्ट्य अछि जे तद्युगीन नाटकमण्डलीकें ध्यानमे राखि क' वस्तुतः मैथिली साहित्यक ई अभिनव मौलिक नाटक अछि—कहल गेल अछि :

(A) मिथिला नाटकक लेल

(B) मालविकाग्निमित्रक लेल

(C) माधवानन्द नाटकक लेल

(D) सुन्दर संयोगक लेल

23. "अबला-प्रबला विदित जगत ई के नहि जानै
तैं त्रिभुवन सब वश्य तनिक ई निश्चय मानै"
—कहने छथि :

(A) ईर्ष्या

(B) कलि

(C) पिशुन

(D) मंत्री

24. "स्त्रीगण सभक पारस्परिक वार्तालापमे जाहि स्वाभाविकक दर्शन होइत अछि से अन्यत्र भेटब कठिन अछि" —कोन पोथीक लेल कहल गेल अछि?

(A) द्विरागमनक लेल

(B) कन्यादानक लेल

(C) बिहारि पात आ पाथरक लेल

(D) बिदागरीक लेल

www.bpscpathshala.com

25. 'कन्यादान'क पात्र सी० सी० मिश्र छथि :

(A) चन्द्र चैतन्य मिश्र

(B) चन्द्रचूड़ मिश्र

(C) चण्डीचरण मिश्र

(D) चन्द्र चन्द्रेश मिश्र

26. 'प्रबन्ध संग्रह'क लेखक छथि :

(A) शैलेन्द्र मोहन झा

(B) रमानाथ झा

(C) विद्यानाथ झा 'विदित'

(D) मुरलीधर झा

27. ''सरलता, स्पष्टता, स्वच्छता, प्रभावोत्पादकता, शिष्टता ओ लयात्मकता इएह छओ गुण गद्यकें साहित्यक मर्यादा दैत अछि''—कहने छथि :

(A) अमरेश पाठक

(B) वासुकीनाथ झा

(C) रमानाथ झा

(D) प्रबोध नारायण सिंह

28. 'ललका पाग' प्रकाशित भेल :

(A) मिथिला मिहिर 1955 ई०मे

(B) वैदेही विशेषांक 1955 ई०मे

(C) पल्लव 1956 ई०मे

(D) मिथिला दर्शन विशेषांक 1957 ई०मे

29. सुभद्र झा लिखित 'द सांग्स ऑफ विद्यापति' प्रकाशित भेल छल :

(A) लहेरियासरायसँ

(B) अजमेरसँ

(C) वाराणसीसँ

(D) कलकत्तासँ

30. नलिनी मुख्य पात्र छथि :

(A) वसुधाक संसारक

(B) कचोटक

(C) मधुश्रावणीक

(D) मंत्रपुत्रक

31. जीवकान्त लिखित 'पनिपत' उपन्यासक प्रकाशक अछि :

(A) मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, कलकत्ता

(B) मिथिला सांस्कृतिक परिषद्, जमशेदपुर

(C) मिथिला सांस्कृतिक समन्वय समिति, गुवाहाटी

(D) मिथिला रिसर्च सोसायटी

32. जहँ-जहँ निकसए त सु तनु-जोति—पद लिखने छथि :

(A) ज्ञान दास

(B) विद्यापति

(C) गोविन्द दास

(D) लक्ष्मीनाथ

33. प्राण दान कपि अयलहुँ आय।
मरितहुँ एहिखन संकट पाय॥
—ई पंक्ति किनक उक्ति अछि आ किनका सम्बोधित अछि?

(A) रामक उक्ति हनुमानसँ

(B) सुग्रीवक उक्ति हनुमानसँ

(C) सीताक उक्ति हनुमानसँ

(D) लंकिनीक उक्ति हनुमानसँ

34. सिनुरक लहठी छल सोहागक चीन्ह
हम बुझिअइ ने किछु ओ बुझथिन कविताक अंश थिक

(A) बुढ़वर

(B) विलाप

(C) फेकनी

(D) देशदशाष्टक

www.bpscpathshala.com

35. 'मधुश्रावणी' उपन्यासक लेखक छथि :

(A) हरिमोहन झा

(B) राजमोहन झा

(C) शैलेन्द्र मोहन झा

(D) आनन्द मोहन झा

36. सोमदेवक उपन्यास 'अनारकली'क धारावाही प्रकाशन 'ब्रह्म पिशाच' नामसँ भेल छल :

(A) मिथला मोदमे

(B) मिथिला मिहिरमे

(C) कर्णामृतमे

(D) मैथिली हित साधनमे

37. 'मिथिला नाटक' लिखने छथि

(A) कमलकान्त झा

(B) रामदेव झा

(C) मुशी रघुनंदन दास

(D) भोलालाल दास

38. पुलकित मिश्र लिखित 'मोहिनीमोहन'कें उपन्यासिका कहलनि अछि :

(A) रामदेव झा

(B) श्री जयकान्त मिश्र

(C) वीणा ठाकुर

(D) मोहन भारद्वाज

39. समालोचनात्मक पोथी 'काव्यमीमांसा' लिखने छथि :

(A) दिनेश कुमार झा

(B) जयधारी सिंह

(C) श्रीकृष्ण मिश्र

(D) रमानाथ झा

40. ''हमर विश्वास अछि जेंकवि राजकमलकें लोक बिसरि जायत मुदा कथाकार राजकमल मैथिली साहित्यक क्षेत्रमे अमर रहताह।''

(आचार्य रमानाथ झाक)

ई उक्ति उल्लिखित अछि :

(A) कृति राजकमल भूमिकामे

(B) स्वर गंधाक भूमिकामे

(C) ललका पागक भूमिकामे

(D) एक अनार एक रोगाहक भूमिकामे

41. जयकान्त मिश्रक मते मैथिली साहित्यक आदिकाल अछि :

(A) 1300 सँ 1600 ईस्वी धरि

(B) 800 सँ 1300 ईस्वी धरि

(C) 1600 सँ 1860 ईस्वी धरि

(D) 700 सँ 1300 ईस्वी धरि

42. भारतीय भाषा सर्वेक्षणक क्रमे जॉर्ज अब्राहम ग्रियर्सन एहि भाषा सभहक एकहिटा व्याकरण बनि सकैत अछि, मे विश्वास व्यक्त कयने छलाह :

(A) हिन्दी—मैथिली—बंगला—उड़िया

(B) हिन्दी—असमी—बंगला—उड़िया

(C) मैथिली—बंगला—असमी—उड़िया

(D) हिन्दी—मैथिली—उड़िया—असमी

www.bpscpathshala.com

43. मैथिलीक मात्रिक छन्द अछि :

(A) छप्पय आ जयकारी

(B) बसंत तालिका

(C) शिखरिणी आ दोहा

(D) त्रोटक आ भैरवी

44. समालोचक रमाकान्त मिश्रक मते मैथिलीक प्रथम आ वास्तविक मनोवैज्ञानिक कथाकार छथि :

(A) कुमार गंगानन्द सिंह

(B) हरिमोहन झा

(C) उमानाथ झा

(D) उपेन्द्र नाथ झा व्यास

45. 'राधाविरह' महाकाव्यमे सर्गक संख्या अछि :

(A) 15

(B) 16

(C) 17

(D) 18

46. 'अहिरावण वध' खण्डकाव्यक लेखक छथि :

(A) रामदत्त सिंह

(B) चन्द्रभानु सिंह

(C) रमण झा

(D) रमानन्द रमण

47. 'मैथिली आ संताली : सम्पर्क ओ सामीप्य' पोथीक लेखक छथि :

(A) मोहनारायण मिश्र

(B) विद्यानाथ झा 'विदित'

(C) राम इकबाल सिंह 'विदित'

(D) ब्रजकिशोर मिश्र

48. 'फार्मेसन ऑफ मैथिली लैंग्वेज' पोथी लिखने छथि :

(A) श्री जयकान्त मिश्र

(B) सुभद्र झा

(C) रामावतार यादव

(D) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

49. 'सजनी कि कहब रातिक सोहागि' पंक्तिक कवि छथि :

(A) विद्यापति

(B) ज्ञान दास

(C) गोविन्द दास

(D) वृन्दावन दास

50. 'हरिचन्दन बदि कोर अगोरल कुंज-भुजंगम राज' पदमे 'कुंज-भुजंगम'मे अलंकार अछि :

(A) उत्प्रेक्षा

(B) अनुप्रास

(C) यमक

(D) श्लेष

www.bpscpathshala.com

51. 'माता ओ मातृभूमि' निबंध लिखने छथि :

(A) यदुनाथ झा 'यदुवर'

(B) छेदी झा 'द्विजवर'

(C) जनार्दन झा 'जनसीदन'

(D) ज्यो० बलदेव मिश्र

52. 'राष्ट्रीय एकताक महत्त्व' निबंधक निबंधकार छथि :

(A) प्रो० रमानाथ झा

(B) आनन्द मिश्र

(C) श्री रामानुग्रह झा

(D) कुमार गंगानन्द सिंह

53. रमानाथ झा-कृत 'प्रबंध संग्रह' थिक :

(A) एकत्रलित निबंधक संग्रह

(B) आलोचनात्मक निबंधक संग्रह

(C) तकनीकि निबंधक संग्रह

(D) सामाजिक निबंधक संग्रह

54. 'मन्दाक्रान्ता' छन्दमे गण विन्यास क्रम अछि :

(A) स–म–न–भ–ल–ग

(B) म–भ–न–त–त–ग–ग

(C) य–य–स–स

(D) स–स–ल–ल

55. मैथिलीक विकास भेल अछि :

(A) पैशाची प्राकृतसँ

(B) अर्द्धमागधी प्राकृतसँ

(C) महाराष्ट्री प्राकृतसँ

(D) मागधी प्राकृतसँ

56. 'स्त्री की रम्भा होथि मूढ़मति सुन रे निर्भय' ई पंक्ति उद्धृत अछि :

(A) सीता रामायणमे

(B) जानकी रामायणमे

(C) मिथिला भाषा रामायणमे

(D) रमेश्वररचित मिथिला रामायणमे

57. 'पटाक्षेप' उपन्यासमे नक्सल नेताक नाम अछि :

(A) शिवनारायण

(B) केशनारायण

(C) रामनारायण

(D) नमो नारायण

58. मैथिलीमे श्रमगीतकेँ कहल जाइत अछि :

(A) उचिती

(B) बटगमनी

(C) कजरी

(D) लगनी

www.bpscpathshala.com

59. 'मैथिली गीत कुसुमांजलि' लिखने छथि :

(A) जनार्दन झा

(B) छेदी झा

(C) राघवाचार्य

(D) भवप्रीतानन्द ओझा

60. पूर्वी मैथिलीक क्षेत्र मानल जाइत अछि :

(A) गंगाक दुनू कात, हाजीपुरसँ मुंगेर धरि

(B) नेपालक कमला—खेज तराईसँ उत्तरक क्षेत्र

(C) पुरैनिआ, भागलपुर, संताल परगनाक क्षेत्र

(D) गण्डकी कातमे हाजीपुरसँ उत्तरक क्षेत्र

61. 'उमेश मिश्र' पर विनिबंध लिखने छथि :

(A) जयकान्त मिश्र

(B) गोविन्द झा

(C) पंचानन मिश्र

(D) भीमनाथ झा

62. डॉ० दिनेश चन्द्र सेन 'डाकक' समय मानैत छथि :

(A) सातम शताब्दी

(B) आठम शताब्दी

(C) नवम शताब्दी

(D) दसम शताब्दी

63. तेल सिन्दुर सभ देलन्हि ओआरी।
चरि चरि चुरु देल मथा गोआरी॥
ई पंक्ति अछि :

(A) एकावली परिणयमे

(B) कृष्णजन्ममे

(C) कृष्णचरितमे

(D) कृष्ण केलि मायामे

64. 'कीर्ति पताका'क रचना भेल :

(A) कीर्ति सिंहक समयमे

(B) हरि सिंह देवक समयमे

(C) शिव सिंहक समयमे

(D) देव सिंहक समयमे

65. 'मेरुप्रभा' पोथी लिखल छनि :

(A) प्रो० रमानाथ झा

(B) प्रो० सुरेन्द्र झा सुमन

(C) प्रो० श्रीकृष्ण मिश्र

(D) प्रो० हरिमोहन झा

66. 'प्राचीन भारतीय परम्परा आ साम्यवादी विचार' पोथीक लेखक छथि :

(A) चतुरानन मिश्र

(B) सुरेश्वर झा

(C) भोगेन्द्र झा

(D) हेतुकर झा

www.bpscpathshala.com

67. 'उच्चतर मैथिली व्याकरण' लिखने छथि :

(A) दीनबन्धु झा

(B) बालगोविन्द झा

(C) गोविन्द झा

(D) अशोक अविचल

68. 'स्वतंत्रता आन्दोलनमे मिथिलाक योगदान' पोथीक लेखक छथि :

(A) अशोक मेहता

(B) विनोद बिहारी वर्मा

(C) सुरेश्वर झा

(D) शशिनाथ चौधरी

69. 'चर्चा ओ अर्चा' पोथीक विषयवस्तु अछि :

(A) इतिहास

(B) धर्म आचार

(C) राजनीति

(D) दर्शन

70. स्वदेश पत्रिकाक सम्पादन कयने छलाह :

(A) मुरलीधर झा

(B) राजनन्दन लाल दास

(C) सुरेन्द्र झा सुमन

(D) सुधांशु शेखर चौधरी

71. 'परिचायिका'क लेखक छथि :

(A) बालगोविन्द झा

(B) भीमनाथ झा

(C) चन्द्रनाथ मिश्र 'अमर'

(D) रवीन्द्र कुमार चौधरी

72. 'मैथिली लोक साहित्यक विस्तृत इतिहास' लिखने छथि :

(A) प्रफुल्ल कुमार सिंह मौन

(B) रामदेव झा

(C) प्रो० (डॉ०) राजाराम प्रसाद

(D) महेन्द्र राम

73. 'नैना जोगिन' सन्दर्भित अछि :

(A) मुण्डनसँ

(B) उपनयनसँ

(C) विवाहसँ

(D) मृत्युसँ

74. 'आलोचनाक स्वरूप' निबंधक लेखक छथि :

(A) डॉ० श्री जयधारी सिंह 'प्रभाकर'

(B) डॉ० श्रीकृष्ण मिश्र

(C) ज्यो० बलदेव मिश्र

(D) डॉ० श्री नवीन चन्द्र मिश्र

www.bpscpathshala.com

75. शंफालिका वर्मा लिखित 'स्मृति रेखा' थिक

(A) कथाचित्र

(B) रेखाचित्र

(C) भावचित्र

(D) शब्दचित्र

76. 'डोकहरक आँखि आ काँट कुश' पोथीक विधा अछि :

(A) कविता

(B) कथा

(C) उपन्यास

(D) नाटक

77. 'मैथिली उपन्यासमे चित्रित समाज' पोथीक प्रकाशक अछि :

(A) मिथिला रिसर्च सोसायटी

(B) मैथिली अकादेमी

(C) चेतना समिति

(D) मिथिला सांस्कृतिक परिषद्

78. 'मार्कण्डेय प्रवासी लिखित' 'हम कालीदास' केर धारावाहिक प्रकाशन भेल :

(A) मिथिला दर्पण

(B) झारखण्डक समेस

(C) मिथिला मिहिर

(D) वैदेही

79. मिथिलामे अनन्त कालसँ तीन देवता प्रेरणा स्रोत रहल छथि :

(A) शिव, शक्ति एवं विष्णु

(B) शिव, शक्ति एवं हनुमान

(C) शिव, दुर्गा एवं इन्द्र

(D) ब्रह्मा, विष्णु एवं गणेश

80. स्पष्ट रूपसँ सभसँ पहिने पहिल अंग्रेज विद्वान 'मैथिली' शब्दक प्रयोग कएलनि :

(A) जॉर्ज अब्राहम ग्रिअर्सन

(B) कोलब्रूक

(C) विलियम केरी

(D) सर अर्सकिन पेरी

81. मैथिली मिथिलामे कोन-कोन लिपिमे लिखल जाइत अछि?

(A) तिरहुता-खरोष्ठी

(B) मिथिलाक्षर-कैथी

(C) देवनागरी-कैथी-मिथिलाक्षर

(D) देवनागरी-मिथिलाक्षर

82. उड़िया, बंगाली ओ मगही भाषाक उद्गम भेल अछि :

(A) मागधी प्राकृतसँ

(B) शौरसेनीसँ

(C) प्रातीच्य प्राकृतसँ

(D) बहिरंग प्राकृतसँ

www.bpscpathshala.com

83. प्राचीन भारतमे लिपिक प्रचार छल :

(A) अंगलिपि एवं मगध लिपि

(B) ब्राह्मीलिपि एवं खरोष्ठी लिपि

(C) देवलिपि एवं देवनागरी

(D) मिथिलाक्षर वा तिरहुता लिपि

84. भाषा एक अर्जित सम्पत्ति थिक। मनुष्य समाजमे रहि एहि सम्पत्तिकेँ अर्जन करैछ। समाजमे परम्परासँ जाहि भाषाक प्रचलन ओ प्रसार होइछ मनुष्य ओकरा अपनबैत अछि एवं ओकरे प्रयोग करैत अछि। एहिमे कोन सन्दर्भ अछि?

(A) भाषा परिवर्त्तनक सन्दर्भ

(B) भाषाक ज्ञानक सन्दर्भ

(C) भाषा सामाजिक निधिक सन्दर्भ

(D) भाषाक स्वतंत्र संरचनाक सन्दर्भ

85. गोविन्द झा विकासक दृष्टिएँ मैथिली-सहित अन्यान्य नवीन भारतीय भाषाकेँ कालानुक्रममे विभाजित कएने छथि :

(A) तीन कालमे

(B) चारि कालमे

(C) पाँच कालमे

(D) दू कालमे

86. भाषा-विज्ञानकेँ देश-विदेश, जाति-विशेष किम्वा काल विशेषक सीमामे नहि बान्हल जा सकैछ। भाषा वैज्ञानिक वर्तमान भाषाक आधार पर जतय ओकर मूलक अन्वेषण करैछ ओतय भविष्यक विकास पर सेहो प्रकाश देल जाइछ। ई कथन कोन सन्दर्भमे अछि?

(A) भाषाक अध्ययनक सन्दर्भमे

(B) भाषा-विज्ञानक क्षेत्रक सन्दर्भमे

(C) भाषाक परिवर्त्तनक सन्दर्भमे

(D) भाषाक महत्त्वक सन्दर्भमे

87. भाषा ज्ञानक सभसँ पैघ साधन थिक तेँ भाषाक ज्ञान सभ ज्ञानक मूल मानल जाइत अछि। भाषा सभ मनुष्य बजैत अछि तेँ कहि सकैत छी जे सभ जनैत अछि। कोन भाषा वैज्ञानिक कहने छथि?

(A) सुभद्र झा

(B) गोविन्द झा

(C) धीरेन्द्र नाथ मिश्र

(D) भोलानाथ तिवारी

88. साते भवतु सुप्रीता देवी शिखरवासिनी अछि :

(A) शक्तिक विरुदावली

(B) मैथिलीक गोसाउनिक गीत

(C) विद्यापतिक पदक पंक्ति

(D) मैथिल नेना लोकनिक पहिल पाठ

www.bpscpathshala.com

89. विदेह राज्यक चर्चा सर्वप्रथम कतएसँ प्राप्त भेल?

(A) वाल्मीकि रामायणसँ

(B) शतपथ ब्राह्मणसँ

(C) यजुर्वेद संहितासँ

(D) वृहद् विष्णुपुराणसँ

90. मिथिलाक बारह नामक चर्चा भेल अछि :

(A) शतपथ ब्राह्मणमे

(B) वाल्मीकि रामायणमे

(C) वृहद् विष्णुपुराणमे

(D) जैन साहित्यमे

www.bpscpathshala.com

91. काल सैह निर्णय करत तें हम मैथिली साहित्यक दुइएटा युग मानैत छी—विद्यापतिक युग—प्राचीन युग, कृष्णकाव्यक युग ओ चन्दा झाक युग, नवीन युग—रामकाव्यक युग—कहने छथि :

(A) रमानाथ झा

(B) जयकान्त मिश्र

(C) मायानन्द मिश्र

(D) दुर्गानाथ झा 'श्रीश'

92. लगनी, रोपनी, चरखा काटबाक, उखरि कुटबाक समयक गीत। एहि प्रकारक अधिकांश लोकगीतमे शृंगार भावनाक सरस अभिव्यक्त भेल अछि—एहन गीत कहबैत अछि :

(A) व्यवहार गीत

(B) सामयिक उत्सवक गीत

(C) देवीदेवताक गीत

(D) श्रम-सम्बन्धी गीत

93. 'बिहारि पात आ पाथर' लिखने छथि :

(A) विश्वेश्वर मिश्र

(B) मदनेश्वर मिश्र

(C) गौरी मिश्र

(D) मायानन्द मिश्र

94. 'परिवर्तन' नाटक लिखने छथि :

(A) कमलकान्त झा

(B) लल्लन प्रसाद ठाकुर

(C) भाग्य नारायण झा

(D) महेन्द्र मलंगिया

95. 'जीवन संघर्ष' एकांकी अछि :

(A) रामदेव झाक

(B) कुमार गंगानन्द सिंहक

(C) सुधांशु शेखर चौधरी

(D) प्रबोध नारायण सिंह

96. 'दरिद्र छिम्मड़ि' यद्यपि उपन्यासक गुणसँ मण्डित अछि तथापि लेखक एकरा मनकथा कहलनि अछि। एहि तरहें 'मनकथा' नामसँ एकटा स्वतंत्र विधाक सृष्टि करबाक श्रेय हिनका प्राप्त छनि—एहि गद्यांशमे किनका लेल कहल गेल अछि?

(A) शैलेन्द्र मोहन झा

(B) लिलीरे

(C) सुधांशु शेखर चौधरी

(D) मायानन्द मिश्र

97. 'गाछ रुसल अछि' कविता संग्रह लिखने छथि :

(A) जीवकान्त

(B) कमलकान्त झा

(C) कुमार मनीष अरविन्द

(D) प्रदीप विहारी

98. 'मैथिली साहित्यक रूपरेखा' पोथी प्रकाशित अछि :

(A) साहित्य अकादेमीसँ

(B) मैथिली अकादमीसँ

(C) भवानी प्रकाशनसँ

(D) चेतना समितिसँ

99. 2021 ई०क साहित्य अकादेमी बाल पुरस्कार प्राप्त कएने छथि :

(A) अनमोल झा

(B) अक्षय आनन्द सन्नी

(C) बीरेन्द्र झा

(D) अमित पाठक

100. 'अवहट्ट : उद्भव ओ विकास' आलोचनाक पोथी लिखने छथि :

(A) नवीनचन्द्र मिश्र

(B) मोहन भारद्वाज

(C) राजेश्वर झा

(D) भीमनाथ झा

www.bpscpathshala.com